CS (Main) Exam,2019

वियोज्य *DETACHABLE*

हिन्दी (प्रश्न-पत्र II)
(साहित्य)
HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्‌घाटित हो सके : 10×5=50

1.(a) जाका गुर भी अंधला, चेला है जा चंध ।
अंधे अंधा ठेलिया, दून्यूं कूप पडंत ।।
ना गुर मिल्या न सिष भया, लालचि खेल्या दाव ।
दून्यूं बूड़े धार मैं, चढ़ि पाथर की नाव ।। 10

1.(b) नामु लिये पूतको पुनीत कियो पातकीसु,
आरति निवारी 'प्रभु पाहि' कहें पीलकी ।
छलनिको छोंड़ी, सो निगोड़ी छोटी जाति-पांति
कीन्ही लीन आपुमें सुनारी भोंड़े भीलकी ।। 10

1.(c) महत्ता के चरण में था
विषादाकुल मन !
मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता ! 10

1.(d) आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,
तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर,
रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त,
तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त,
शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन
छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन ! 10

1.(e) जाने दो, वह कवि-कल्पित था,
मैंने तो भीषण जाड़ों में
नभ-चुंबी कैलास शीर्ष पर,
महामेघ को झंझानिल से
गरज-गरज भिड़ते देखा है । 10

2.(a) 'भ्रमरगीत' की अवधारणा पर विचार करते हुये गोपियों की वाग्विदग्धता का परिचय दीजिये । 20

2.(b) बिहारी की सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि का निरूपण कीजिये । 15

2.(c) 'राम की शक्ति पूजा' में निराला के आत्मसंघर्ष की भी व्यथा-कथा है ।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिये । 15

3. (a) 'ब्रह्मराक्षस के मिथकीय प्रयोग' की व्याख्या करते हुये मध्यवर्गीय जीवन की त्रासदी पर प्रकाश डालिये । 20

3. (b) 'कामायनी' विषम परिस्थितियों में जीवन के सृजन का महाकाव्य है ।' स्पष्ट कीजिये । 15

3. (c) 'अकाल के बाद' कविता की मूल संवेदना को सोदाहरण विवेचित कीजिये । 15

4. (a) 'भारत भारती' की राष्ट्रीय चेतना को आज के संदर्भ में समझाइये । 20

4. (b) 'कवितावली' के भाव सौंदर्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये । 15

4. (c) कवीर की भाषा सधुक्कड़ी है ।' इस कथन पर विचार कीजिये । 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए । (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) 10×5=50

5. (a) एक पगली-सी स्मृति, एक उद्भ्रान्त भावना चैपल के शीशों के परे पहाड़ी सूखी हवा में झुकी हुई वीपिंग विलोज की कांपती टहनियां, पैरों-तले चीड़ के पत्तों की धीमी-सी चिर-परिचित खड़-खड़ .... वहीं पर गिरीश एक हाथ में मिलिटरी का खाकी हैट लिए खड़ा है — चौड़े, उठे सबल कन्धे, अपना सिर वहाँ टिका दो तो जैसे सिमटकर खो जायगा .... । 10

5. (b) फूट, डाह, लोभ, भय, उपेक्षा, स्वार्थपरता, पक्षपात, हठ, शोक, अश्रुमार्जन और निर्बलता — इन एक दरजन दूती और दूतों को शत्रुओं की फौज में हिला-मिलाकर ऐसा पंचामृत बनाया कि सारे शत्रु बिना मारे घंटा पर के गरुड़ हो गए । 10

5. (c) अब भी उत्साह का अनुभव नहीं होता .... ? विश्वास करो तुम यहाँ से जाकर भी यहाँ से अलग नहीं होओगे । यहाँ की वायु, यहाँ के मेघ और यहाँ के हरिण, इन सबको तुम साथ ले जाओगे .... । और मैं भी तुम से दूर नहीं होऊँगी । जब भी तुम्हारे निकट होना चाहूँगी, पर्वत-शिखर पर चली जाऊँगी और उड़कर आते मेघों में घिर जाया करूँगी । 10

5. (d) ''क्या बताऊँ ? गरीबी की बीमारी थी । पाँच साल हो गये पेंशन पर बैठे, पर पेंशन अभी तक नहीं मिली । हर दस-पन्द्रह दिन में एक दरख्वास्त देते थे, पर वहाँ से या तो जवाब नहीं आता था और आता तो यही कि तुम्हारी पेंशन के मामले में विचार हो रहा है । इन पाँच सालों में मेरे सब गहने बेचकर हम लोग खा गए । फिर बर्तन बिके । अब कुछ नहीं बचा था । फाके होने लगे थे । चिन्ता में घुलते-घुलते और भूखे मरते-मरते उन्होंने दम तोड़ दिया ।'' 10

5.(e) मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी न किसी रूप में पायी जाती है । चाहे इतिहास न हो, विज्ञान न हो, दर्शन न हो, पर कविता का प्रचार अवश्य रहेगा । बात यह है कि मनुष्य अपने ही व्यापारों का ऐसा सघन और जटिल मंडल बाँधता चला आ रहा है । जिसके भीतर बंध-बंध वह शेष सृष्टि के साथ अपने हृदय का संबंध भूला-सा रहता है । 10

6.(a) 'मैला आंचल' की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए । 20

6.(b) 'भारत दुर्दशा' में अपने समय की विभीषिका का चित्रण हुआ है ।' स्पष्ट कीजिए । 15

6.(c) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में तर्क और विचार के साथ भाव प्रवणता भी है ।' इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिये । 15

7.(a) 'दिव्या' स्त्री स्वतंत्रता का उद्घोष है ।' विवेचन कीजिए । 20

7.(b) 'रंगमंच' की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' की विवेचना कीजिये । 15

7.(c) 'जिंदगी और जोंक' में रजुआ की जिजीविषा पर प्रकाश डालिए । 15

8.(a) 'महाभोज' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिये । 20

8.(b) 'गोदान' की धनिया स्त्री चरित्र का उदात्त रूप है ।' सोदाहरण प्रकाश डालिये । 15

8.(c) 'श्रद्धा और भक्ति' के अंतर को स्पष्ट करते हुये आचार्य शुक्ल के निबंधों की विशेषता बताइये । 15